भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2275
09.12.2019 को उत्तर के लिए

वन महोत्सव वृक्षारोपण

2275. श्री संजय सिंहः

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वन महोत्सव के दौरान विगत पांच वर्षों के दौरान रोपित किए गए पौधों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; (ख) पौधों की स्थानीय प्रजातियों पर विशेष ध्यान देते हुए वितरित किए जा रहे पौधों की किस्मों के संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) वृक्षारोपण के लिए स्थानीय प्रजातियां प्रदान करने वाली नर्सरियों के राज्य-वार ब्यौरे क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) से (ग) : वृक्षारोपण एक बहु-विभागीय कार्यकलाप है और इसे भिन्न-भिन्न मंत्रालयों की विभिन्न योजनाओं के तहत कार्यान्वित किया जाता है तथा विभिन्न विभागों, गैर-सरकारी संगठनों, सिविल सोसायटी, कॉरपोरेट निकायों आदि द्वारा भी विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य योजना/गैर-योजना स्कीमों के तहत बहु-क्षेत्रीय स्तर पर आरंभ किया जाता है। वृक्षारोपण गतिविधियों में लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु मंत्रालय द्वारा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को ये अनुदेश भी जारी किए गए हैं कि वे वन महोत्सव, विश्व पर्यावरण दिवस, वन्यजीव सप्ताह आदि जैसे विशेष दिवसों पर और स्वच्छ भारत मिशन आदि के अंतर्गत भी वृक्षारोपण/वनीकरण का कार्य आरंभ करें।

भारत में वन महोत्सव एक वार्षिक वृक्षारोपण अभियान है जिसे वर्ष 1950 में लोगों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति उत्साह सृजित करने के उद्देश्य से आरंभ किया गया। अब यह महोत्सव अत्यधिक राष्ट्रीय महत्व का और एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव बन चुका है जिसे सामान्यत: जुलाई के महीने के दौरान विभिन्न दिवसों पर आयोजित किया जाता है।

इन समारोहों के दौरान, लोगों को विभिन्न प्रकार के लाभ प्रदान करने वाले जैसे वैकल्पिक ईंधन प्रदान करने वाले, खाद्य संसाधनों, चारे में वृद्धि करने वाले, संरक्षण पट्टियों का सृजन करने वाले, छाया और सज़ावटी भू-परिदृश्य उपलब्ध कराने वाले, सूखे की स्थिति में कमी लाने वाले और मिट्टी के अपरदन को रोकने वाले वृक्षों की स्थानीय प्रजातियों के पौधे वितरित किए जाते हैं जिन्हें राज्यों में भिन्न-भिन्न स्थानों में निर्मित विभिन्न पौधशालाओं में उगाया जाता है। वन महोत्सव समारोहों सहित विशेष अवसरों के दौरान किए गए वृक्षारोपण कार्यों का ब्यौरा तथा स्थानीय प्रजातियां उपलब्ध कराने वाली पौधशालाओं का ब्यौरा मंत्रालय में नहीं रखा जाता है। तथापि, राज्यों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार वितरित/रोपित पौधों का संकलित विवरण और पौधशालाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

****

अनुबंध

'वन महोत्सव वृक्षारोपण' के संबंध श्री संजय सिंह द्वारा दिनांक 09.12.2019 को उत्तर के लिए पूछे गए राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2275 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

वन महोत्सव वृक्षारोपण के संबंध में वितरित किए गए पौधों और पौधशालाओं का राज्यवार ब्यौरा

क्रम सं.	राज्य	वृक्षारोपण के लिए रोपित/वितरित पौधों की संख्या (लाख में)	पौधशालाओं का ब्यौरा/वृक्षारोपण के लिए स्थानीय प्रजातियां उपलब्ध कराने वाली पौधशालाओं की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	156.58	आंध्र प्रदेश के 13 जिलों में निर्मित पौधशालाओं से वितरित पौधे
2	अरुणाचल प्रदेश*	2.81	संबंधित वन प्रमंडलों की स्थानीय पौधशालाओं से पौधे उपलब्ध कराए जाते हैं
3	असम	18.85	43
4	बिहार	0.48	158
5	छत्तीसगढ़*	15.54	275
6	गोवा	0.57	20
7	गुजरात*	5176.84	458
8	हरियाणा*	12.30	99
9	हिमाचल प्रदेश*	0.07	14
10	जम्मू और कश्मीर	1.86	163
11	झारखंड*	13.57	68
12	कर्नाटक*	2245.00	524
13	केरल	1.31	105
14	महाराष्ट्र	5644.00	3253
15	मणिपुर	83.15	1450
16	मेघालय	0.42	2242
17	मिजोरम	1.12	विभिन्न स्तरों जैसे प्रमंडल, रेंज, बीट आदि पर पौधशालाओं से पौधे वितरित किए जा रहे हैं।
18	नागालैंड#	8.43	पौधशालाओं का अनुरक्षण अपने संबंधित प्रमंडलों में वन प्रमंडलों द्वारा किया जाता है
19	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली#	58.00	14
20	ओडिशा#	160.00	39
21	पंजाब	1.61	620
22	राजस्थान	0.88	393
23	सिक्किम	2.49	89
24	तेलंगाना#	11359.70	12178
25	त्रिपुरा	5.30	15
26	उत्तर प्रदेश	4.45	1416
27	उत्तराखंड#	19.02	811
28	पश्चिम बंगाल	160.05	114

** विगत 5 वर्षों (2014-15 से 2018-19) के दौरान वितरित बिचरों/रोपित पौधों की कुल संख्या*

 # विगत 4 वर्षों (2015-16 से 2018-19) के दौरान वितरित बिचरों/रोपित पौधों की कुल संख्या

शेष राज्य - विगत 3 वर्षों (2016-17 से 2018-19) के दौरान वितरित बिचरों/रोपित पौधों की कुल संख्या

****